गोकुल विच खुशिया छाइयाँ

गोकुल विच खुशिया छाइयाँ आज नंद घर पुत जमेया,

नर नरायन कमल नैन नन्द घर लगी आंदन दी झड़ी,
हो गइयाँ ने रुशनाइयाँ आज नंद घर पुत जमेया,
गोकुल विच खुशिया छाइयाँ आज नंद घर पुत जमेया,

ब्रिज वासी मिल ख़ुशी मनावन मंगल दीप वधाईयां गावन,
बजे बाजे ढोल शहनाइयां आज नंद घर पुत जमेया,
गोकुल विच खुशिया छाइयाँ आज नंद घर पुत जमेया,

नन्द भवन ते रंग रस बरसे नन्द यशोदा रोड़ी नचे,
नन्द लाल लवे अंगड़ाइयां आज नंद घर पुत जमेया,
गोकुल विच खुशिया छाइयाँ आज नंद घर पुत जमेया,

कृष्ण जन्म दिया धुमा पाइयाँ 'मधुप हरि' तो लवे तलइयाँ,
मुहो मंगियां मुरादा पाइया आज नंद घर पुत जमेया,
गोकुल विच खुशिया छाइयाँ आज नंद घर पुत जमेया,

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12712/title/gokul-vich-khushiyan-chaaiyan-aaj-nand-ghar-putt-jameya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |